आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-07 अंक-03, भोपाल, सोमवार, 07 फरवरी 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

होशंगाबाद का नाम नर्मदापुरम और बाबई का नाम होगा माखन नगर

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा होशंगाबाद का नाम नर्मदापुरम और बाबई का नाम माखन नगर करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार करने पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि- मुझे तोड़ लेना वनमाली!

उस पथ पर देना तुम फेंक, मातृभूमि पर शीश चढ़ाने

जिस पथ जावें वीर अनेक के कालजयी रचयिता दादा माखनलाल चतुर्वेदी की जन्मस्थली बाबई का नाम बदल कर %माखन नगर% करने के आग्रह को केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत कर लिया गया है। बाबई के नागरिकों के आग्रह को स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आत्मीय आभार। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारतीय काव्य के प्रख्यात छायावादी रचनाकार एवं विराट व्यक्तित्व दादा माखनलाल को नमन स्वरूप बाबई अब 'माखन नगर' के नाम से जाना जायेगा। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को सम्मानित करने का यह एक विनम्र प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इसके साथ ही होशंगाबाद जिले का नाम 'नर्मदापुरम' करने के आग्रह को भी केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई है। नर्मदा जयंती के पावन अवसर से यह व्यवस्था लागू होगी। बाबई एवं होशंगाबाद के निवासियों सहित समूचे प्रदेश की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन।

मानसिक एवं शारीरिक रूप से और मजबूत हो हमारी युवा पीढ़ीः परिवहन मंत्री श्री राजपूत

भोपाल। युवा हमारे देश का भविष्य हैं, जिन्हें संवारना जरूरी है। राहतगढ़ में महाविद्यालय भवन के साथ ही जिम का निर्माण भी कराया जा रहा है। युवा मानसिक तथा शारीरिक रूप से स्वस्थ और मजबूत हों, देश का नाम रोशन करें। राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने राहतगढ़ में शासकीय महाविद्यालय के भवन-2 के भूमिपूजन के अवसर पर ये विचार प्रकट किए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि, जब जब नौजवान खड़ा होता है, तब तब परिवर्तन के साथ विकास होता है। इस महाविद्यालय में 2 हज़ार के लगभग छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं जिन्हें स्थान की परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसे दूर करने के लिए भवन के भाग 2 का निर्माण किया जा रहा है। शीघ्र ही यह भवन तैयार होगा। मंत्री श्री राजपूत द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। उन्होंने आदिवासियों एवं अन्य लोगों को पट्टे के प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

गुरु उपकार महोत्सव में हुए शामिल

मंत्री श्री राजपूत ने मुनि श्री 108 सुप्रभात सागर जी महाराज के भव्य 9वें गुरु उपकार दिवस महोत्सव पर राहतगढ़ स्थित जैन मंदिर में पहुँचकर गुरुवर से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जैन समाज देने वाला समाज है। धर्म के लिए हमेशा द्वारा अपना सर्वस्व निछावर करने का उसमें जज्बा रहता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी को केन-बेतवा लिंक परियोजना के भूमि-पूजन के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया आमंत्रित

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए राशि स्वीकृत करने के लिए मध्यप्रदेश की जनता की ओर से हृदय से धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी को केन-बेतवा नदी परियोजना के भूमि-पूजन कार्यक्रम में पधारने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से भेंट के बाद मीडिया से चर्चा में बताया कि उज्जैन में श्री महाकाल मंदिर परिसर के विस्तार, इंदौर में 'वेस्ट टू वेल्थ' अंतर्गत गीले कचरे से सीएनजी बनाने के प्लांट व महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित किए जाने वाले 7 पोषण आहार प्लांट के लोकार्पण में पधारने का निवेदन भी प्रधानमंत्री श्री मोदी से किया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस वर्ष के बजट में केन और बेतवा नदियों को जोड़ने के लिए 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इन दोनों नदियों को जोड़कर जो बांध बनेंगे, उससे लगभग 10 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई होगी और 50 लाख लोगों को पीने का पानी मिलेगा। इससे मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में आने वाला बुंदेलखण्ड क्षेत्र लाभान्वित होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस निर्णय से बुंदेलखण्ड की जनता में हर्ष है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि उज्जैन में श्री महाकाल मंदिर परिसर के विस्तार का कार्य पूर्णता की ओर है। लगभग अप्रैल अंत तक कार्य पूरा हो जायेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा और मंत्र पर अमल करते हुए इंदौर में 'वेस्ट टू वेल्थ' अंतर्गत गीले कचरे से सीएनजी बनाने का प्लांट निर्मित किया गया है। इससे सीएनजी बनेगी और 550 मीट्रिक टन कचरे का निपटारा हो सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश में पूर्व में पोषण आहार बनाने का काम कान्ट्रेक्टर करते थे। अब इस काम को महिला स्व-सहायता समूह कर रहे हैं। इसके लिए सेल्फ हेल्प ग्रुप के 7 पोषण आहार प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इनके उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी से आग्रह किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को बताया कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गाँव का जन्म-दिन मनाने के लिए ग्रामवासियों को प्रेरित किया जा रहा है । विचार यह है कि एक दिन गाँव के सभी लोग एकत्रित होकर गाँव का जन्म-दिन मनायेंगे। सभी लोग मिलकर गाँव के विकास की कार्य-योजना तय करेंगे और उसके क्रियान्वयन के लिए रणनीति बनायेंगे।

सभी वर्गों में समरसता बढ़ाने के प्रयासों को मज़बूती दी जाएः राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि अनुसूचित जाति, जनजाति के विरूद्ध अपराध नियंत्रण के लिए सभी वर्गों के बीच समरसता को और अधिक मज़बूत किया जाए। उन्होंने कहा कि समरसता शिविरों का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जाए। चिन्हित क्षेत्रों के नागरिकों के साथ जीवंत संवाद कायम करें। अपराध नियंत्रण के प्रभावी प्रयासों के लिए आपराधिक सोच में सुधार जरूरी है। राज्यपाल श्री पटेल ने यह बात अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की समीक्षा के दौरान अधिकारियों से कही।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि अधिनियम के तहत अपराधों की नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक मज़बूत बनाने के लिए जरूरी है कि गुनहगार को कठोर दंड मिले। बेकसूर परेशान नहीं हो। उन्होंने कहा कि समाज में समरसता की मज़बूत परम्पराएँ हैं। आवश्यकता उन अच्छी परम्पराओं को और अधिक मज़बूती देने और प्रसारित करने की है। ऐसे बहुत सारे वार्ड और ग्राम हैं, जहाँ एक भी अपराध पंजीबद्ध नहीं है। ऐसे ग्रामों के संबंध में जानकारी समरसता शिविर में दी जाये। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि अधिनियम के तहत प्रभावी कार्रवाई के लिए दिल और दिमाग में पीड़ित के प्रति संवेदना और सहानुभूति होना जरूरी है। संवेदनशीलता के साथ किए गए कार्यों के परिणाम सदैव अच्छे होते हैं। उन्होंने विवेचना कार्यों की निरंतर मॉनीटरिंग और सघन भ्रमण कर समीक्षा के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपराध के उद्गम से लेकर न्यायालय के स्तर तक सभी स्तरों पर व्यवस्थाओं की निरंतर समीक्षा की जाए। यदि किसी भी स्तर पर कोई कमी अथवा दिक्कत मिले तो उसका तत्काल समाधान किया जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर तक पहुँच रहा नल से जल मध्यप्रदेश ने किया अद्भुत कार्य

भोपाल। जनसम्पर्क संचालनालय की फीचर सेवा

प्रदेश की ग्रामीण आबादी के वे सभी ग्राम 'हर घर-जल ग्राम' घोषित किए जा रहे हैं, जहाँ ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाई जा चुकी है। ऐसे 4045 ग्राम हैं, जिनमें यह शुरूआत हो रही है। अब इन ग्रामों में अब नल के माध्यम से पेयजल मिल रहा है। इनमें 46 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार यह सुविधा पाकर हर्षित हैं।

ग्रामीण माताएँ और बहनें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को दुआएँ दे रही हैं। उनके जीवन की एक बड़ी कठिनाई तो दूर हुई, साथ ही मानव श्रम और समय की भी बचत संभव हुई है। ग्रामीण माताएँ और बहनें जिन पर घर में पीने का पानी लेकर आने का दारोमदार होता है, उनके जीवन की कठिनाइयाँ दूर करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की पहल 'जल जीवन मिशन' से रंग ला रही है।

मध्यप्रदेश में 4 हजार से अधिक ग्रामों में नल से पेयजल प्रदाय की व्यवस्था फलीभूत हुई है। इस कार्य को मजबूत संकल्प और संवेदनशील मन के साथ ही किया जा सकता था। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल कर बीते 2 वर्ष में अनेक बार जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी ली और नियमित बैठकें कर कार्य प्रगति की समीक्षा की। सामने आई कमियों को दूर करने की हिदायत दी और अच्छे परिणाम लाने के लिए अमले को प्रोत्साहित भी किया। इसके फलस्वरूप मध्यप्रदेश मिशन के कार्यों में देश में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री ने की है निरंतर समीक्षा : मध्यप्रदेश जल जीवन मिशन के कार्यों में यूं ही अग्रणी नहीं है। इसके लिए यहाँ सतत समीक्षा का कार्य मुख्यमंत्री स्तर पर हुआ है। मुख्यमंत्री श्री सिंह चौहान प्रदेश की शहरी और ग्रामीण आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर देते रहे हैं। उनका कहना है कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लिए निर्मित रोडमैप में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार प्रदेश में समस्त नलजल योजनाओं के कार्य सम्पन्न होना जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने योजनाओं के बेहतर संधारण के लिए ग्राम इंजीनियर पदस्थ करने को कहा है। उन्होंने वृहद परियोजना के कार्यों में समय पर कार्यों की पूर्णता के लिए संबंधित एजेंसी और अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विलंब से होने वाले कार्यों पर जिम्मेदारी तय कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएँ। नलजल योजनाओं का कार्य पूर्ण होने पर ग्रामों में विशेष ग्राम सभा आयोजित कर ग्राम को 'हर घर जल ग्राम' श्रेणी का ग्राम घोषित किया जाए। योजना के निर्माण कार्य पूरे होने पर संबंधित पंचायत को योजना हस्तांतरित की जाए। ग्राम जल और स्वच्छता समिति के पदाधिकारी ग्रामवासियों से जन-संवाद भी करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी को ऐसी महत्वाकांक्षी और उपयोगी योजना लागू करने के लिए ग्रामवासियों द्वारा आभार-पत्र भी भेजे जायेंगे।

ग्राम स्तर पर पदस्थ किए जाएँ तकनीकी जानकार : मुख्यमंत्री श्री चौहान का मानना है कि ग्राम स्तर पर ऐसे ग्रामीण इंजीनियर को तैनात किया जाए जो विद्युत कनेक्शन, पेयजल प्रदाय व्यवस्था, सिंचाई पम्पों से संबंधित प्रबंध, आवास निर्माण के तकनीकी पहलुओं आदि की जानकारी रखता हो। पम्प और वाल्व ऑपरेटर का प्रशिक्षण कुछ ही दिनों में दिया जा सकता है। बेरोजगार युवाओं को इन कार्यों के लिए तीन से छह माह के छोटे प्रशिक्षण कोर्स का लाभ दिलवाकर ग्रामों में पेयजल प्रदाय योजना और अन्य योजनाओं में मेन्टेनेंस का दायित्व सौंपा जाए। मध्यप्रदेश में इस क्षेत्र में एक मॉडल तैयार कर उसके क्रियान्वयन की पहल की जाए। इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग नोडल विभाग की भूमिका का निर्वहन करे। बड़े ग्रामों में एक से अधिक युवक भी यह जिम्मेदारी वहन कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश में पेयजल की माकूल व्यवस्था : मध्यप्रदेश में मार्च 2021 तक ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन द्वारा जल प्रदाय की उपलब्धता 30.55 प्रतिशत हो गई, जो वर्तमान में 37.10 प्रतिशत है। विभिन्न नलजल योजनाओं पर 42 हजार 643 करोड़ रूपए की राशि खर्च हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान जल जीवन मिशन के लाभार्थी ग्रामीणों से करेंगे वर्चुअल संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल से जल जीवन मिशन में लाभान्वित ग्रामीण परिवारों से 4 फरवरी की अपरान्ह 3 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान से संवाद के लिए जल जीवन मिशन में जिन जिलों के ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुँचाया गया है, उनमें से 16 जिलों के एक-एक ग्राम को चुना गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ग्रामवासियों, जन-प्रतिनिधियों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों से वर्चुअली संवाद कर नल से जल प्रदाय से हुई सुगमता और जल जीवन मिशन की योजनाओं के समुचित संचालन एवं संधारण के संबंध में भी संवाद करेंगे।

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में अब तक 46 लाख 11 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल पहुँचाया जा चुका है। प्रदेश में 4 हजार 44 ग्राम ऐसे हैं, जहाँ हर घर में जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी है। मिशन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम द्वारा प्रदेश के लगभग हर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में नल से जल-प्रदाय की योजनाओं के कार्य किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान भोपाल जिले के बिलखिरिया, सीहोर के सतपिपलिया, देवास के बरखेड़ा कायम, सागर के चकेरी, पन्ना के रायनगर, जबलपुर के नीमखेड़ा, मण्डला के भँवरदा, सिवनी के मुनगापार, रीवा के जुडमुनियाँ मुरली, नीमच के उम्मेदपुरा, अशोकनगर के सेहराई, छिंदवाड़ा के मऊ, अनूपपुर के हर्राटोला, उज्जैन के रणायरापीर, दमोह के सिमरीशुक्ला और निवाड़ी जिले के बवई ग्राम के लाभार्थियों से संवाद करेंगे।

जनजातीय उद्यमिता के लिये खुल रहे नये रास्ते

भोपाल। प्रदेश में अब जनजातीय उद्यमिता के लिये नये रास्ते खुल रहे हैं। जनजातीय क्षेत्र के युवाओं को हेरीटेज मदिरा प्र-संस्करण से जोड़ा जा रहा है। जनजातीय युवाओं को माइक्रो डिस्टलरी से महुआ की मदिरा बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें इसके लिए वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जायेगी। हेरीटेज मदिरा की गुणवत्ता के मापदंड भी निर्धारित किये जायेंगे। हेरीटेज मदिरा के रूप में देश में इसका विक्रय किया जाएगा। इससे

जनजातीय समूहों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और महुआ से बनी हेरीटेज मदिरा मध्यप्रदेश की हेरीटेज मदिरा के रूप में देश-विदेश में जानी जाएगी। माइक्रो डिस्टलरी से महुआ फूल से हेरीटेज मदिरा बनाने के लिए पायलेट फेस में अलीराजपुर और डिंडोरी जिले का चयन किया गया है। बाद में खंडवा जिले के खालवा विकासखंड को भी पायलट फेस के रूप में शामिल किया जायेगा। वाणिज्यिक कर विभाग और जनजातीय कार्य विभाग के सहयोग से 13 जनजातीय युवाओं द्वारा वसंत दादा शुगर इंस्टीटयूट पुणे में महुआ से हेरीटेज मदिरा बनाने का प्रशिक्षण दिलाया गया है।

मीटर रीडिंग में लापरवाही पर 8 आउटसोर्स मीटर रीडर और 2 संविदा कार्मिकों पर कार्यवाही

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग में लापरवाही बरतने के आरोप में सेवा प्रदाता कंपनी के माध्यम से मुरैना वृत्त में सबलगढ़ संभाग के जौरा वितरण केन्द्र में कार्यरत दो आउटसोर्स मीटर वाचक, पहाड़गढ़ वितरण केन्द्र में कार्यरत तीन आउटसोर्स मीटर वाचक एवं कैलारस वितरण केन्द्र में कार्यरत दो आउटसोर्स मीटर वाचकों की तीन से सात दिनों तक की वेतन कटौती की कार्यवाही की है। इसी प्रकार मुरैना वृत्त में अम्बाह संभाग के पोरसा वितरण केन्द्र में कार्यरत दो संविदा कर्मचारियों का तीन दिन का वेतन काटने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

महा प्रबंधक मुरैना श्री पी.के. शर्मा ने बताया है कि प्रबंध संचालक द्वारा मुरैना वृत्त की समीक्षा में फोटो मीटर रीडिंग डेटा के आधार पर संबंधित मीटर रीडरों पर कार्यवाही करने के निर्देश के परिपालन में मीटर वाचन में लापरवाही बरतने पर सात मीटर वाचकों वेतन काटने का नोटिस दिया गया है। साथ ही एक मीटर वाचक को लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि उपभोक्ताओं के परिसर पर एक्युरेसी (शुद्धता) के साथ मीटर वाचन होना चाहिए और मीटर रीडिंग के आधार पर ही उपभोक्ताओं को विद्युत देयक दिए जाएँ। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मीटर वाचकों के कार्य पर निष्ठा एप के द्वारा निगरानी रखी जाए और जो मीटर वाचक कर्तव्य पालन में लापरवाही बरत रहे हैं, उन्हें सेवा से पृथक किया जाए।

प्रबंध संचालक ने कहा कि उपभोक्ता सेवा सर्वोपरि है। उपभोक्ताओं को कंपनी बेहतर से बेहतर सेवाएँ देने के लिए कृत-संकल्पित है और इसी दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं को जागरूक रहने के लिए कहा है। जब उनके परिसर की मीटर रीडिंग होती है तो वे मीटर वाचक द्वारा ली गई रीडिंग और मीटर में दर्ज रीडिंग पर नजर रखें, जिससे सही देयक मिल सके।

सात दिनों में 70.18 करोड़ यूनिट बिजली वितरण का रिकार्ड

भोपाल। मालवा और निमाड़ में पिछले एक सप्ताह से बिजली की अधिकतम माँग 6 हजार मेगावाट से ऊपर चल रही है। सात दिनों में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कुल 70 करोड़ 18 लाख यूनिट बिजली वितरित कर रिकार्ड बनाया है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर आपूर्ति क्षमता का सतत विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रबी सीजन के साथ ही अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं द्वारा भी बिजली की माँग ज्यादा होने से कुल माँग ऐतिहासिक स्तर पर है। श्री तोमर ने बताया कि पिछले सात दिन से अधिकतम बिजली माँग 6000 मेगावाट से ज्यादा बनी हुई है। यह माँग मप्र की तीनों बिजली वितरण कंपनियों में सबसे ज्यादा है। सात दिनों में कंपनी क्षेत्र में 70 करोड़ 18 लाख यूनिट बिजली की गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति की गई है। सात दिनों में पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा दस करोड़ 21 लाख 57 हजार यूनिट बिजली की आपूर्ति हुई है।

खबरें

मुख्यमंत्री श्री चौहान पद्मश्री सम्मान पाने वालों को 4 फरवरी को सम्मानित करेंगे

इस वर्ष प्रदेश की 5 विभूतियों को दिया जायेगा पद्मश्री सम्मान

भोपाल। इस वर्ष मध्यप्रदेश की विभूतियों में चिकित्सा के क्षेत्र में स्व. डॉ. एन.पी. मिश्रा, कला के क्षेत्र में श्रीमती दुर्गाबाई व्याम, श्री अर्जुन सिंह धुर्वे एवं श्री रामसहाय पाण्डे तथा शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में श्री अवध किशोर जड़िया को पद्मश्री सम्मान दिये जाने की घोषणा की गई है। इन सभी को मुख्यमंत्री श्री चौहान सम्मानित करेंगे। स्व. डॉ. एन.पी. मिश्रा की ओर से सम्मान उनके पुत्र श्री सुनील मिश्रा प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 4 फरवरी को मध्यप्रदेश की उन विभूतियों को सम्मानित करेंगे, जिन्हें इस वर्ष पद्मश्री सम्मान दिये जाने की घोषणा हुई है। सम्मान समारोह मुख्यमंत्री निवास पर सायं आयोजित किया जायेगा।

स्व. डॉ. एन.पी. मिश्रा

चिकित्सा शास्त्र के ज्ञानकोष कहे जाने वाले विश्वविख्यात चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. नरेन्द्र प्रसाद मिश्रा मध्यप्रदेश के गौरव थे। उन्होंने लेक्चरर, रीडर, डीन तथा हैड ऑफ द डिपार्टमेंट जैसे पदों पर रहकर हजारों छात्र-छात्राओं को चिकित्सा शास्त्र का गहन ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्रदान किया। भोपाल गैस त्रासदी के उपरांत उन्होंने हजारों पीड़ितों के लिये असाधारण चिकित्सा व्यवस्था की। उन्होंने अत्यंत अल्प समय में मात्र 800 शायिकाओं वाले हमीदिया अस्पताल में 10 हजार 700 रोगियों को भर्ती कर समुचित उपचार व्यवस्था की तथा एक लाख 73 हजार बाह्य रोगियों की चिकित्सा की। इस संबंध में जर्नल ऑफ अमेरिकन मेडिसिन ने उन पर सम्पादकीय प्रकाशित किया।

श्रीमती दुर्गाबाई व्याम

डिण्डोरी जिले के करंजिया विकासखण्ड अंतर्गत पाटनगढ़ निवासी श्रीमती दुर्गाबाई व्याम ने गोंडी पेंटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। वर्तमान में श्रीमती दुर्गाबाई भोपाल में जनजातीय कला की गोंड शैली में कार्य करती हैं। उनकी चित्रकला के विषय आदिवासी लोक-कथाओं और पौराणिक कथाओं में निहित हैं। श्रीमती दुर्गाबाई ने भारत एवं विदेशों में गोंडी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने गोंड शैली में हवाई जहाज के चित्रों की श्रृंखला बनाई है।

श्री अर्जुन सिंह धुर्वे

श्री अर्जुन सिंह धुर्वे ने मध्यप्रदेश जनजातीय संस्कृति को विशेष पहचान दिलाने में अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने बैगा नृत्य एवं संस्कृति को प्रवहमान रखते हुए लोक कला को शिखर पर पहुँचाया है। वे डिण्डोरी जिले के बैगाचक क्षेत्र धुरकुटा के निवासी हैं। वे बैगा जनजाति के प्रथम पोस्टग्रेजुएट शिक्षक बने। वर्ष 1993-94 में श्री धुर्वे को जनजातीय सम्पदा के कलात्मक संवर्धन विकास के लिये राज्य सरकार ने तुलसी सम्मान से विभूषित किया। बैगा प्रधानी नृत्य, जो बैगा जनजाति का मुख्य नृत्य है, की उन्होंने राज्य एवं राज्य के बाहर प्रस्तुतियाँ देकर स्वयं की और प्रदेश की जनजातीय कला-संस्कृति की पहचान बनाई है।

पं. रामसहाय पाण्डे

पं. रामसहाय पाण्डे ने बुंदेलखण्ड के गीत, संगीत एवं संस्कृति की पहचान राई नृत्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलवाई। उन्होंने बेड़िया समाज के लोगों को समाज की मुख्य-धारा से जोड़ने के लिये राई नृत्य के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किया है। कनेरादेव, सागर के श्री रामसहाय पाण्डे 12 वर्ष की उम्र से राई नृत्य कर रहे हैं। उन्होंने जापान, हंगरी, फ्रांस, मॉरीशस, दुबई, जर्मनी सहित अनेक देशों में राई नृत्य का प्रदर्शन किया है। उन्हें शिखर सम्मान, राष्ट्रीय टैगोर सम्मान, राष्ट्रीय तुलसी सम्मान आदि मिल चुके हैं।

डॉ. अवध किशोर जड़िया

छतरपुर जिले के हरपालपुर के श्री अवध किशोर जड़िया बुंदेली के ख्याति-प्राप्त कवि हैं। उन्होंने बुंदेली भाषा के साथ ब्रज एवं हिन्दी भाषा में भी कई काव्य रचनाएँ लिखी हैं। श्री जड़िया को साहित्य के क्षेत्र में कई पुरस्कार एवं सम्मान मिले हैं। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं राजमाता श्रीमती विजयाराजे सिंधिया उनकी कविताओं के प्रशंसक थे। उनकी कुछ कविताएँ मध्यप्रदेश के शिक्षा पाठ्यक्रम में भी शामिल हैं।

इंदौर में थम नहीं रहा मौतों का सिलसिला, फिर तीन की मौत, 892 नए कोरोना संक्रमित मिले

इंदौर। इंदौर में अब कोविड संक्रमित मरीजों की संख्या में कमी दिखाई दे रही है लेकिन कोविड संक्रमण से मरीजों की मौत का सिलसिला नहीं थम रहा है। गुरुवार को 10180 लोगों की कोविड जांच हुई, जिनमें 892 नए मरीज मिले। इंदौर में अब तक 3483032 लोगों की कोविड संबंधित जांच हो चुकी है जिनमें से 202988 कोविड मरीज मिले हैं। गुरुवार को कोविड संक्रमण से तीन मरीजों की मौत हुई।

सीएमएचओ डा. बीएस सैत्या के मुताबिक गुरुवार को एमआरटीबी अस्पताल में भर्ती तीन मरीजों की मौत हुई है। इनमें 52 वर्षीय दो पुरुष व एक 82 वर्षीय बुजुर्ग है। तीनों मरीज किडनी, ब्लड प्रेशर और ब्रेन हेमरेज से पीड़ित थे। इंदौर में अब तक 1440 मरीजों की कोविड से मौत हो चुकी है। गुरुवार को कोविड 1662 मरीज स्वस्थ हुए। इंदौर में अब तक 192620 कोविड संक्रमण के बाद ठीक हो चुके हैं। वर्तमान में 8928 मरीज को संक्रमण के कारण उपचारत है।

टीकाकरण में आई गति, गुरुवार को 14 हजार से ज्यादा टीके लगे: गुरुवार को टीकाकरण को लेकर हल्की गति आई। इस दिन साढ़े 14 हजार से ज्यादा टीके लगे। किशोरों के टीकाकरण की स्थिति में भी सुधार हुआ। 210 सत्रों के माध्यम से चले टीकाकरण अभियान के तहत गुरुवार को 340 स्वास्थ्यकर्मियों और 592 फ्रंटलाइन वर्करों को सतर्कता डोज लगाई गई। इसके अलावा 60 वर्ष से अधिक उम्र के 1529 लोगों ने भी सतर्कता डोज लगवाई। गुरुवार को दो फ्रंटलाइन वर्करों ने पहली और तीन ने दूसरा टीका लगवाया। 15 से 17 आयु वर्ग के 1338 किशोरों ने पहला और 6096 ने दूसरा टीका लगवाया। 18 से 45 आयु वर्ग के 670 लोगों ने पहला और 3586 ने दूसरा टीका लगवाया। गुरुवार को 45 से 60 आयु वर्ग के 51 लोगों ने पहला और 217 ने दूसरा टीका लगवाया।

इंदौर में ठगी, कार्ड की क्रेडिट सीमा बढ़ाने के लिए आए फोन

इंदौर। आनलाइन ठगी करने वालों ने एक अभिभाषक के क्रेडिट कार्ड से आनलाइन रुपये निकाल लिए। देवेन्द्र नगर में रहने वाले 48 वर्षीय फरियादी कृष्ण कुमार पुत्र हरिकृष्ण शर्मा ने अन्नपूर्णा थाने में आनलाइन धोखाधड़ी का केस दर्ज करवाया है। फरियादी कृष्ण कुमार शर्मा ने पुलिस को बताया कि वे जिला न्यायालय और उच्च न्यायालय में वकालत करते हैं। कंप्यूटर साइंस से बीएससी, फिर एमबीए और लॉ की पढ़ाई की है। वे जानते हैं कि फोन पर किसी को भी अपने खाते व क्रेडिट कार्ड की जानकारी नहीं देनी चाहिए। इसके बावजूद शातिर ठगों ने उनके क्रेडिट कार्ड से रुपये निकाल लिए और उसे ईएमआइ में बदल दिया।

पांच दशक में छह गुना हो गई कैंसर के मरीजों की संख्या, इंदौर के अस्पताल में न स्टाफ बढ़ा, न मशीनें

इंदौर। कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के इलाज को लेकर शासन कितना गंभीर है, यह इस बात से साबित हो जाता है कि संभाग के एकमात्र शासकीय कैंसर अस्पताल में 1996 के बाद से कोई मशीन नहीं आई है। अस्पताल में आज भी दशकों पुरानी तकनीक से कैंसर का इलाज हो रहा है। 1968 में स्थापित इस अस्पताल में पांच दशकों में मरीजों की संख्या में तो छह गुना से ज्यादा बढ़ोतरी हो गई, लेकिन न स्टाफ बढ़ाया गया, न आधुनिक मशीनें लगाई गईं। संभाग के जिलों से हर साल 50 हजार से ज्यादा मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं, लेकिन यहां उनके लिए कोई सुविधा नहीं है। शुरुआती दौर में यहां हर साल 500-600 नए मरीज इलाज के लिए आते थे। फिलहाल हर साल चार से पांच हजार मरीज आ रहे हैं। यानी इन पांच दशकों में छह गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। अस्पताल अधीक्षक डा. रमेश आर्य ने बताया कि अस्पताल में कोबाल्ट थैरेपी मशीन के रूप में अंतिम मशीन 1996 में आई थी। इसके बाद से आज तक कोई नई मशीन नहीं खरीदी गई जबकि इस दौरान कैंसर के इलाज की कई अत्याधुनिक मशीनें आ चुकी हैं। स्थापना के वक्त अस्पताल में 95 बिस्तर थे। पांच दशक में इसमें सिर्फ 10 बिस्तरों की बढ़ोतरी हुई। अब तक यहां न स्टाफ की संख्या बढ़ी, न मशीनों की। लिनियर एक्सलरेटर लगाने आई कंपनी ने खींचा हाथ - वर्षों से शासकीय कैंसर अस्पताल में लिनियर एक्सलरेटर लगाने का प्रस्ताव अटका हुआ है।

इंदौर में देवी अहिल्या विवि के दीक्षा समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को मिलेंगे 200 स्वर्ण और 25 रजत पदक

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह मार्च को लेकर तारीख तय हो गई है। राजभवन से मंजूरी मिलने के बाद विश्वविद्यालय ने 23 मार्च को समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। 2020 और 2021 बैच के टापर विद्यार्थियों को पदक से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में 200 स्वर्ण और 25 रजत पदक टापर्स को दिए जाएंगे। उधर शैक्षणिक विभाग को 30 जनवरी तक प्रत्येक पाठ्यक्रम के टापर विद्यार्थियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए है। वहीं टापर्स व उपाधि पाने वालों को 28 मार्च तक आवेदन करना होंगे। 10 जनवरी को कार्यपरिषद की बैठक हुई। बढ़ते संक्रमण को देख सदस्यों ने मार्च में समारोह करवाने पर सहमति दी है। वहां बैठक में 3 मार्च को समारोह प्रस्तावित किया गया। बीते दिनों कुलपति डा. रेणु जैन ने इस मामले में राज्यपाल छगनभाई मंगुभाई पटेल से मुलाकात की। बुधवार को राजभवन से तारीख तय होने के बाद विश्वविद्यालय ने अधिसूचना निकाली। इसमें 23 मार्च को समारोह आयोजित करने का तय किया है। अब शैक्षणिक विभाग को टापर सूची बनाने को कहा है। 2020 और 2021 में पीएचडी करने वाले शोधार्थियों को भी पीएचडी उपाधि से नवाजा जाएगा। विभिन्न् विषयों में 270 शोधार्थियों ने पीएचडी पूरी की है। अधिकारियों के अनुसार अधिकांश शोधार्थियों ने उपाधि ले ली है। प्रभारी कुलसचिव डा. अनिल शर्मा ने बताया कि अगले सप्ताह समारोह आयोजित करने के लिए समिति बनाई जाएगी। वे बताते हैं कि इस बार पदकों की संख्या बढ़ सकती है। इसमें स्वर्ण और रजत शामिल होंगे।

खबरें

स्कूल में ही चाकू मारना चाहता था नाबालिग छात्र

स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़ कर चोरी कर रहे थे बिजली, आठ लोगों पर केस

उज्जैन। स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी करने पर आठ लोगों के खिलाफ बिजली कंपनी ने केस दर्ज किया है। सभी से चार लाख रुपये वसूलने और विधि सम्मत न्यायालयीन कार्रवाई करने की बात कही है। अधीक्षण यंत्री आशीष आचार्य ने बताया कि बिजली कंपनी अब घरों के मीटरों में दर्ज खपत के अलावा ट्रांसफार्मर और ग्रिडों से वितरित होने वाली बिजली का मिलान भी कर रही है। स्मार्ट मीटर के माध्यम से भी असामान्य स्थिति के संकेत दिए जाते हैं। ऐसे ही संकेत स्मार्ट मीटर के सेंट्रल कंट्रोल सेंटर को मिले थे। बिजली कंपनी इंदौर से वरिष्ठ अधिकारियों की टीम उज्जैन जांच के लिए आई और बिलौटीपुरा, खटीकवाड़ा, गेबी हनुमान मंदिर की गली, चंद्रशेखर आजाद मार्ग में बिजली चोरी और अन्य गड़बड़ियों को पकड़ आठ उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी और शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रकरण बनाया। दोषी उपभोक्ताओं के विरुद्ध पुलिस एवं न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

नि:शुल्क ई श्रम पंजीयन कार्ड बनाए

जगोटी। केंद्रीय श्रम मंत्रालय की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र अभ्यर्थियों को दिलाने हेतु दिवंगत नेता राम चंद्रवंशी की स्मृति में दस दिवसीय ई श्रम पंजीयन कार्ड शिविर में एक हजार से अधिक लोगों के नि:शुल्क पंजीयन किए गए। सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश पंवार ने बताया कि जगोटी के लाल माता चौराहे पर आयोजित शिविर में 16 से 59 वर्ष की महिलाओं, युवाओं, भूमिहीन मजदूरों सहित छात्र-छात्राओं को श्रम मंत्रालय की योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिवरात्रि पर 5 निर्धन बेटियों का होगा विवाह

पानबिहार। महामाया आश्रम के तत्वाधान में महामारी नाशक शतचंडी महायज्ञ श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान गंगा यज्ञ 20 फरवरी से महामाया आश्रम मंगलनाथ मंदिर के पास कमेड रोड पर आयोजित किया जाएगा। कथा में शिवरात्रि पर पांच निर्धन बेटियों का नि:शुल्क विवाह किया जाएगा। श्री मां संतोषी सेवा समिति द्वारा 20 फरवरी से 1 मार्च तक शिवरात्रि पर 5 कन्यादान व यज्ञ की पूर्णाहुति 5 से 7 बजे तक होगी। कथा का समय दोपहर 12 से 3 बजे तक रहेगा। जानकारी राष्ट्रीय कथा व्यास संतश्री सुरेश्वर महाराज ने दी।

राजकोट के युवक से मारपीट कर अंगूठी और मोबाइल छीना

उज्जैन। गुजरात के राजकोट से 24 दिसंबर 2021 को महाकाल दर्शन करने आए युवक से मारपीट कर एक बदमाश ने सोने की चेन, अंगूठी व मोबाइल छीन लिया था। युवक भांग के नशे में था। एक माह बाद युवक ने ई एफआइआर दर्ज करवाई है।

महाकाल पुलिस ने बताया कि दिलीप भाई पंड्या उम्र 38 वर्ष निवासी जजेस रेसीडेंसी राजकोट 24 दिसंबर 2021 को महाकाल दर्शन करने के लिए अकेला उज्जैन आया था। यहां उसने मंदिर के समीप स्थित भांग घोटा से भांग पी ली थी। इसके बाद पीछे की गली में जा रहा था। उसी दौरान अज्ञात बदमाश मुंह पर मास्क लगाकर वहां आया और उसके साथ मारपीट कर सोने की चेन, अंगूठी व मोबाइल छीन लिया। भांग के नशे में होने के कारण दिलीप विरोध नहीं कर पाया था। राजकोट लौटने के बाद युवक ने एक माह बाद गुरुवार को ई एफआइआर दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दवा बाजार में एक और दुकान से लाखों रुपये की दवाएं चोरी

उज्जैन। दवा बाजार में एक और दुकान में लाखों की दवाएं चोरी होने का मामला सामने आया है। मेडिकल संचालक का कहना है कि बीते कुछ माह से उसके यहां से भी लाखों रुपये के इंसुलिन के इंजेक्शन व अन्य दवाएं चोरी हुई हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बता दें की दो दिन पूर्व भी पुलिस ने मेडिकल में चोरी का केस दर्ज किया था। टीआइ तरूण कुरिल ने बताया कि दवा बाजार में स्थित बोबल मेडिकल संचालक ने गुरुवार को शिकायत की है कि उनके दुकान से कुछ माह से दवाओं की चोरी की जा रही है। करीब पांच लाख रुपये कीमत के इंसुलिन के इंजेक्शन व अन्य दवाएं चुराई गई हैं। मामले को लेकर स्टाक मिलान किया जा रहा है। गुरुवार शाम को पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच की थी। टीआइ कुरिल ने दवा बाजार के सभी कारोबारियों से उनके स्टाक मिलाने को कहा है। इससे उनके यहां भी अगर चोरी हुई है तो उसका पता चल सकें।

बस एजेंट को चाकू मारने वाले बदमाश का अवैध मकान तोड़ा

उज्जैन। नानाखेड़ा बस स्टैंड पर 16 जनवरी को दो बदमाशों ने एक बस एजेंट से 200 रुपये की मांग की। रुपये नहीं देने पर आरोपितों ने उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया था। गुरुवार को नगर निगम व पुलिस की टीम ने एक आरोपित के मंछामन कालोनी स्थित मकान का अवैध हिस्सा ढहा दिया। पुलिस ने बताया कि 16 जनवरी को सोहनसिंह निवासी त्रिवेणी विहार कालोनी नानाखेड़ा बस स्टैंड पर जितेंद्र उर्फ जीतू भाटी निवासी मंछामन कालोनी और राजकुमार उर्फ कालू ने 200 रुपये की मांग की थी। बदमाशों का कहना था कि प्रति बस उन्हें 200 रुपये चाहिए, सोहन ने रुपये देने से इंकार कर दिया तो आरोपितों ने उस पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया था।

सम्पादकीय

वैक्सीन की प्रथम डोज आंशिक सुरक्षा, दूसरी डोज मतलब पूरी सुरक्षा

कोरोना महामारी के विरूद्ध पूरी तरह से रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए वैक्सीनेशन काफी कारगर साबित हो रहा है। वैज्ञानिक तथ्य भी यही कहते हैं कि वैक्सीन की दोनों डोज समय पर लग जाने से व्यक्ति के कोरोना संक्रमित होने की संभावना 93 प्रतिशत तक घट जाती है। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों की मृत्यु की संभावना भी नगण्य हो जाती है। प्रदेशवासियों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिये संवेदनशील राज्य सरकार लक्षित समूह को वैक्सीन का सुरक्षा कवच देने के लिए कटिबद्ध है। वैक्सीनेशन का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 25 एवं 26 अगस्त को दो दिवसीय टीकाकरण महाअभियान चलाया जाएगा।

कोरोना संक्रमण की पहली और दूसरी लहर ने विश्व के अधिकांश देशों को अपनी चपेट में ले लिया था। कोरोना काल में अनेकों ने अपनी जान भी गंवाई। कोरोना के साथ लड़ाई में भारत ने कम समय में स्वदेशी वैक्सीन तैयार कर एक अनूठा उदाहरण पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत किया। वैक्सीन का निर्माण जितनी तेजी से किया गया, उतनी ही रफ्तार से प्रदेशों में वैक्सीन पहुँचाई भी गई। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सबको वैक्सीन-नि:शुल्क वैक्सीन मंत्र देकर वैक्सीन तक सभी की पहुँच सुनिश्चित की। वैक्सीन की उपलब्धता के साथ उसके उपयोग में मध्यप्रदेश पूरे राष्ट्र में अग्रणी रहा।

वैक्सीन के द्वितीय डोज का महत्व : कोरोना महामारी से बचाव के तौर पर रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए कोविड-19 के दोनों डोज लगवाना अत्यन्त आवश्यक है। कोविड-19 टीके का प्रथम डोज मनाव शरीर में आंशिक सुरक्षा प्रदान करता है, जिसके लगने के बाद भी संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। वैक्सीन का द्वितीय डोज समयावधि में लगवाने से वैक्सीन की एफिकेसी सर्वाधिक रहती है। प्रदेश में अभी दो प्रकार की वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन लगाई जा रही है। चिकित्सकीय एवं वैज्ञानिक आधार पर कोविशील्ड वैक्सीन की प्रथम डोज लेने के 84 दिन बाद द्वितीय डोज और कोवैक्सीन की प्रथम डोज लेने के 28 दिन बाद द्वितीय डोज लेना जरूरी है। वैक्सीन की द्वितीय डोज लगने के 2 से 3 सप्ताह बाद ही शरीर में कोरोना बीमारी के विरूद्ध प्रतिरोधक क्षमता पूर्ण रूप से विकसित होती है। साथ ही शरीर एक से अधिक प्रकार की एंटीबॉडी तैयार करता है जो कोरोना और उसके अन्य वेरिएंट के विरूद्ध बचाव करने में सहायक होती है।

महाअभियान को सफल बनाने जन-भागीदारी भी जरूरी : कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन सिर्फ सरकार की ही नहीं, समाज की जिम्मेदारी भी है। हर नागरिक को स्व-प्रेरणा से आगे आकर सरकार द्वारा दिए जा रहे वक्सीन के सुरक्षा कवच को अपनाना होगा। यह अतिश्योक्ति नहीं होगी कि मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन के लिए चलाए गए प्रथम टीकाकरण महाअभियान में राष्ट्रीय स्तर पर जो सफलता मिली, उसमें जन-भागीदारी की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता है। प्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान का दूसरा चरण 25 एवं 26 अगस्त को होने जा रहा है। प्रथम महाअभियान की तरह इस महाअभियान में भी राज्य सरकार के प्रयासों के साथ जनता की भागीदारी भी बहुत जरूरी होगी।

वैक्सीनेशन के बाद भी सजग और सर्तक रहना है जरूरी : यूं तो वैक्सीनेशन की दोनों डोज लगवा लेने के बाद काफी हद तक कोरोना संक्रमण का प्रभाव कम हो जाता है। इसके बावजूद भी सजग और सर्तक रहने की आवश्यकता है। कोरोना वायरस के प्रति अनुकूल व्यवहार को अपनाते रहना होगा, जिसमें मास्क लगाना, हाथों को समय-समय पर सेनेटाइज करना, ज्यादा भीड़-भाड़ न करना और न ही उसमें शामिल होने जैसी गतिविधियों को अपनाते रहना होगा। तभी हम अपने आपको और समाज को कोरोना वायरस से बचा पाएंगे।

नागरिकों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील सरकार : राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण को खत्म करने के लिये जो भगीरथी प्रयास किये वह किसी से छिपे नहीं हैं। कोरोना की जाँच से लेकर उपचार की जो व्यवस्थाएँ की गई, उससे प्रदेश में कोरोना संक्रमण को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सका है। वैक्सीन का सुरक्षा कवच हर नागरिक को मिल जाए, यह प्रयास राज्य की संवेदनशील सरकार ने किया है। इन प्रयासों में आम नागरिक के साथ धर्मगुरूओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, कोरोना वॉलेंटियर्स, शहरी-ग्रामीण जन-प्रतिनिधियों के साथ समाज के हर वर्ग को आगे आकर अपनी नैतिक जिम्मेदारी के साथ वैक्सीनेशन महाअभियान में सहयोग करना होगा।

गोरखपुर पहुंचे अमित शाह, नामांकन से पहले योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में की पूजा

नई दिल्ली। योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में नामांकन से पहले कहा कि भाजपा अपने सहयोगी को साथ लेकर उत्तर प्रदेश में अपने वर्चस्व को दिखाएगी। उत्तर प्रदेश में पांच साल में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जन अपेक्षाओं पर खरा उतरने का काम किया है। उत्तर प्रदेश और देश के अंदर भाजपा सरकारों के बारे में कोई भी नकारात्मक टिप्पणी नहीं कर सकता। गरीब को मकान मिल जाना, शौचालय मिल जाना, बिना भेदभाव सभी की आस्था का सम्मान और सुरक्षा मिलना एक बड़ी बात थी। इन पांच सालों में भाजपा संगठन और सरकार ने मिलकर ये परिणाम दिया है।

गोरखपुर पहुंचे अमित शाह : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गोरखपुर पहुंच गए हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह मंत्री का स्वागत किया। शाह यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नामांकन में शामिल होंगे।

पश्चिमी यूपी के रण में जाटों को साधने में जुटे दिग्गज : पश्चिम के रण में जाटों के ठाठ हैं। आगरा और अलीगढ़ की आठ और मेरठ एवं सहारनपुर मंडल की 18 सीटों पर जाटों का प्रभाव है। चुनाव में ऊंट किस करवट बैठेगा, जाटों का वोट भी तय करता है। दिग्गज जाटों को साधने में जुटे हुए हैं। भगवा खेमा किसान आंदोलन से हुए नुकसान की भरपाई में जुटा है तो दूसरी तरफ सपा-रालोद गठबंधन आंदोलन की नाराजगी को भुनाना चाहता है।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री व भाजपा नेता सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अखिलेश यादव के कंप्रेसर वाले बयान पर कहा कि अखिलेश जी आपको तो 2017 में ही ठंडा कर दिया गया था और इसके लिए मुख्यमंत्री की जरूरत भी नहीं पड़ी। आपको तो जनता ने ही ठंडा कर दिया। पहले जनता के बीच जाकर गर्म तो हो जाओ। विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव 2022 के बाद भी ठंडे ही रहेंगे।

इन सीटों पर दिलचस्प मुकाबला, कहीं गुरु-शिष्य तो कहीं दोस्त बने दुश्मन

सियासत में कुछ भी स्थायी नहीं होता है। यही वजह है कि कहीं गुरु-शिष्य मैदान में हैं, तो कहीं गलबहियां करने वाले दोस्तों में दुश्मनी हो गई है। वे मतदाताओं के बीच एक-दूसरे की कारगुजारियां गिनाते हैं। घटनाओं का जिक्र कर ललकारते हैं। कहीं दोस्त पर धोखा देने का आरोप लगा रहे हैं, तो कहीं खुद के साथ हुई नाइंसाफी गिना रहे हैं। कई जगह चुनावी जंग में रास्ते अलग-अलग हो गए हैं। इन सीटों पर इसलिए भी मुकाबला रोचक है, क्योंकि दोनों एक-दूसरे की चाल को समझते हैं। दोनों के बीच शह और मात का खेल भी जारी है। पढ़ें प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों की कुछ ऐसी ही कहानियां बयां करती चंद्रभान यादव की रिपोर्ट...

गोरखपुर में मुख्यमंत्री के नामांकन के बहाने भाजपा करेगी शक्ति प्रदर्शन : गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नामांकन के बहाने शुक्रवार को भाजपा शक्ति प्रदर्शन करेगी। नामांकन से पहले महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज मैदान में कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाएंगे। साथ ही गोरखपुर की जनता से जीत का आशीर्वाद मांगेंगे।

ब्रज में प्रत्याशियों की भरमार, लेकिन करहल से सिर्फ तीन दावेदार : ब्रज में विधायक बनने के लिए चारों जिलों में प्रत्याशियों की भरमार है, लेकिन मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट पर केवल तीन ही प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। पूरे प्रदेश की नजरें करहल विधानसभा सीट पर टिकी हैं। यहां से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल चुनाव लड़ रहे हैं। प्रत्याशियों की संख्या कम होने से यहां मुकाबला सीधा और दिलचस्प हो गया है।

नामांकन से पहले योगी ने किया हवन पूजन: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अपना नामांकन करेंगे। इससे पहले उन्होंने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हवन पूजन किया। जन चौपाल में पांच जिलों को मतदाताओं को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जन चौपाल के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मेरठ, गाजियाबाद, अलीगढ़, हापुड़ और नोएडा के मतदाताओं को संबोधित करेंगे।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through **industrialproduct.in**
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

एक महीने से ज्यादा रहे खांसी, बलगम की समस्या तो तुरंत कराएं जांच, हो सकते हैं लंग कैंसर के लक्षण

कैंसर एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसका समय पर डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट न करने पर यह जानलेवा साबित हो सकती हैं। इसके खतरों और इससे जुड़ी जानकारियों से लोगों को जागरूक कराने के लिए ही हर साल 4 फरवरी को वर्ल्ड कैंसर डे मनाया जाता है।

लंग कैंसर के लक्षण

किसी भी व्यस्क को अगर खांसी आते एक महीने से ज्यादा का समय हो गया है। गले में खराश, छाती में दर्द, खांसी के साथ बलगम या खांसी के साथ खून भी आ रहा है तो ये लक्षण आपको सूचित करते हैं कि आपको लंग कैंसर का खतरा हो सकता है। इसके अलावा रात के समय में पसीना आना और अचानक वेट लॉस होना, पसलियों में जरूरत से ज्यादा दर्द रहना और दवाओं के प्रयोग के बाद भी अगर दर्द कम न हो, तो ऐसे में हमें फौरन डॉक्टर से संपर्क करके उनसे चेकअप कराना चाहिए। वहीं, अगर आपकी आवाज में भी कोई बदलाव हो, खाना अंदर ले जाने में परेशानी हो और गर्दन के आसपास सूजन हो, तो ये सभी एडवांस लंग कैंसर के लक्षण हो सकते हैं।

इम्यूनिटी होती है प्रभावित

हम अगर समय रहते लंग कैंसर की पहचान कर लें, तो इसका निदान संभव है इसलिए हमें टाइम टू टाइम चेकअप कराते रहना चाहिए। उन लोगों को खासकर अपना चेकअप कराना चाहिए, जिनकी फैमिली हिस्ट्री में कैंसर हो या जो स्मोकिंग करते हैं। ऐसे लोगों को हर छह महीने में या सालभर में डॉक्टर जांच, एक्स-रे कराना चाहिए। जब हमें इस बीमारी का पता चल जाता है तो हमारे पास आज के समय कई ऐसी दवाएं हैं, जिससे हम बीमारी से ठीक भी हो सकते हैं।

छह महीने में कराएं चेकअप

लंग कैंसर होने पर आपको डॉक्टर के सुझाव पर हर तीन या छह महीने में चेकअप कराते रहना चाहिए, जिससे पता चल सके कि कहीं यह कैंसर आपके दूसरे लंग में तो नहीं फैल रहा है। अपनी फैमिली का भी रेगुलर चेकअप जरूर कराते रहें।

जेनेटिक भी होता है कैंसर

परिवार में जींस से जुड़ी हजारों बीमारियां ऐसी होती हैं, जिनका सही समय पर उपचार नहीं होने से वह जानलेवा बन जाती हैं। कई दूसरी बीमारियों की तरह कैंसर भी जेनेटिक हो सकता है। हालांकि, एन्वॉयरमेंट और हमारी बदलती लाइफस्टाइल कैंसर के होने का प्रमुख कारण हो सकता है।

हँसने के पाँच फायदे

आज की भाग दौड भरी जिंदगी, ऊपर से काम का प्रेशर हममे में से कई लोगों को तो याद भी न होगा कि पिछली बार कब खिलखिला कर हँसे थे। जबकी हँसना हम सभी के लिये अति महत्वपूर्ण है किन्तु हम उसे नजर अंदाज कर देते हैं। मित्रों हँसने से हमारी जिंदगी किस तरह स्वस्थ एवं खुशनुमा हो सकती है उसी के बारे में थोडी सी जानकारी शेयर करने की कोशिश कर रही हूँ, पसन्द आए तो हँसियेगा जरूर. तो आइये जानते हैं हंसने के पाँच फायदे-

1) हंसने से हृद्रय की एक्सरसाइज हो जाती है। रक्त का संचार अच्छीतरह होता है। हँसने पर शरीर से एंडोर्फिन रसायन निकलता है, ये द्रव्य हृदय को मजबूत बनाता है। हँसने से हार्ट-अटैक की संभावना कम हो जाती है।
2) क रिसर्च के अनुसार ऑक्सीजन की उपस्थिती में कैंसर कोशिका और कई प्रकार के हानिकारक बैक्टीरिया एवं वायरस नष्ट हो जाते हैं। ऑक्सीजन हमें हँसने से अधिक मात्रा में मिलती है और शरीर का प्रतिरक्षातंत्र भी मजबूत हो जाता है।
3) य़दि सुबह के समय हास्य ध्यान योग किया जाए तो दिन भर प्रसन्नता रहती है। यदि रात में ये योग किया जाये तो नींद अच्छी आती है। हास्य योग से हमारे शरीर में कई प्रकार के हारमोंस का स्राव होता है, जिससे मधुमेह, पीठ-दर्द एवं तनाव से पीडित व्यक्तियों को लाभ होता है।
4) हँसने से सकारत्मक ऊर्जा भी बढती है, खुशहाल सुबह से ऑफिस का माहौल भी खुशनुमा होता है। तो दोस्तों, क्यों न हम सब दो चार चुटकुले पढ कर या सुनकर अपने दिन की शुरुवात जोरदार हँसी के साथ करें।
5) ोज एक घंटा हँसने से 400 कैलोरी ऊर्जा की खपत होती है, जिससे मोटापा भी काबू में रहता है। आज कल कई हास्य क्लब भी तनाव भरी जिंदगी को हँसी के माध्यम से दूर करने का कार्य कर रहे हैं।

दोस्तों प्रकृति भी हमें संदेश देती है- बारिश के बाद खिली धूप, खिला हुआ फूल, लहलहाते हरे भरे पेड अपनी खुशी का एहसास दिलाते हैं। उनकी इसी खुशी को देख कर हम सब का मन भी खुश होता है, उसी तरह जब हम सब खुश एवं स्वस्थ रहेंगे तो अपने आसपास का वातावरण भी खुशनुमा बना सकते हैं। कहते हैं—"Health is above wealth".

सोचिये अगर जरा सी मुस्कान से फोटो अच्छी आ सकती है तो खुलकर हँसने से जिंदगी की तस्वीर कितनी खूबसूरत हो सकती है। मित्रों जब स्वास्थ और सामाजिक क्षेत्र में हँसी के अनगिनत फायदें हैं, तो हँसना तो लाजमी है।

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

मध्यप्रदेश में चिकित्सा पाठ्यक्रम को हिन्दी में पढ़ाने की तैयारी प्रारंभ

कार्यवाही पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश देश में प्रथम राज्य होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा गणतंत्र दिवस पर प्रदेशवासियों के नाम अपने संदेश में प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का पाठ्यक्रम हिन्दी में किये जाने की घोषणा के परिपालन में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कार्यवाही शुरू कर दी है।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री चौहान की मंशा अनुरूप प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन संचालित चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सा पाठ्यक्रम को हिन्दी में पढ़ाये जाने की कार्यवाही जारी है। इसी अनुक्रम में कार्यवाही कर गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल से इसकी शुरुआत करने के निर्देश दिये गये हैं।

मंत्री श्री सारंग द्वारा चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रम में हिन्दी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने और एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के विषयों के लिए हिन्दी में सप्लीमेंट्री पुस्तकों को तैयार करने के लिये विषय-विशेषज्ञों से चर्चा भी की गई। मंत्री श्री सारंग ने अटल बिहारी हिन्दी विश्वविद्यालय के कुलपति, रजिस्ट्रार तथा एम्स भोपाल और गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सकों के साथ आयुक्त चिकित्सा शिक्षा की उपस्थिति में विचार-विमर्श किया।

प्रथम चरण : प्रथम चरण में चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रम को पढ़ाते समय चिकित्सा शिक्षकों द्वारा हिन्दी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग किया जायेगा। साथ ही प्रथम वर्ष के चिकित्सा छात्रों की स्टडी कर आकलन किया जायेगा। पहले हिन्दी पृष्ठभूमि के छात्रों का 2 माह अंग्रेजी माध्यम से एवं 2 माह हिन्दी भाषा के उपयोग से पठन-पाठन का आकलन भी किया जायेगा।

द्वितीय चरण: द्वितीय चरण में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के 3 विषयों (एनाटॉमी, फिजियोलॉजी एवं बायो-केमेस्ट्री) की पूरक संदर्भ पुस्तकों को हिन्दी भाषा में तैयार किया जायेगा। इस कार्य-योजना को पूरा करने के लिए 3 समिति बनायी गयी है।

प्रथम समिति : चिकित्सा पाठ्यक्रम में हिन्दी के उपयोग एवं हिन्दी में पूरक संदर्भ पुस्तकों को तैयार करने की कार्य-योजना तैयार करने के लिये समिति गठित की गई है। कार्य-योजना को मूर्तरूप देने के लिये अटल बिहारी हिन्दी विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन प्राप्त किया जायेगा। इससे इस प्रकल्प का क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।

द्वितीय उप समिति : एमबीबीएस प्रथम वर्ष के विषय एनाटॉमी, फिजियोलॉजी एवं बायो-केमेस्ट्री की हिन्दी में पूरक संदर्भ पुस्तकें तैयार करने के लिये उप समिति गठित की गई।

तृतीय उप समिति : द्वितीय उप समिति द्वारा हिन्दी में तैयार किए गए विषय को पुन: सूक्ष्म रूप से परिष्कृत करने के लिये एक सत्यापन उप समिति भी गठित की गई है।

डिजिटल रुपए की चर्चा के बीच जानिए क्या है Cryptocurrency वाली Blockchain टेक्नोलॉजी, कैसे करती है काम

रिजर्व बैंक जल्द ही डिजिटल रूपी जारी करेगा, जो ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा. रिजर्व बैंक जल्द ही डिजिटल रूपी जारी करेगा, जो ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा.

Cryptocurrency Blockchain Technology: क्रिप्टोकरेंसी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है. जिन लोगों ने इसमें निवेश नहीं किया है उन लोगों ने भी इसके बारे में सुन रखा है. आरबीआई द्वारा डिजिटल रुपया लाने और बजट में 30 फीसदी टैक्स के बाद एक बार फिर से क्रिप्टो चर्चा में है. अब अनुमान ये लगाया जा रहा है कि आरबीआई की डिजिटल करेंसी कैसी होगी.

इन चर्चाओं के बीच आइए उस टेक्नोलॉजी के बारे में जानते हैं जिसे Cryptocurrency का बैकबोन कहा जाता है. इसका नाम है ब्लैकचेन टेक्नोलॉजी. Bitcoin, Ethereum और Dogecoin सहित कई अन्य वर्चुअल करेंसीज़ के कॉन्सेप्ट के पीछे ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी (blockchain technology) का हाथ है.

इस तकनीक की शुरुआत 2008 में हुई

इस तकनीक की शुरुआत 2008 में सातोषी नाकामोतो नाम के एक शख्स- या कई लोगों- ने की थी. (इसकी शुरुआत करने वाले की असली पहचान अभी तक नहीं पता है.) बिटकॉइन की सफलता के पीछे ब्लॉकचेन तकनीक का बहुत बड़ा हाथ है. ऑनलाइन श्वद्गद्गह्-ह्लश-श्वद्गद्गह् नेटवर्क के तहत होने वाले सभी ट्रांजैक्शन को रजिस्टर करने वाला एक डिसेंट्रलाइज्ड लेजर यानी एक विस्तृत विकेंद्रित बहीखाता होता है, जो स्वतंत्र रूप से काम करता है. यह नेटवर्क पर हो रहे हर लेन-देन का हिसाब रखता है.

ब्लॉकचेन का फंक्शन ऐसा होता है कि यह सिस्टम किसी सेंट्रल अथॉरिटी के नियंत्रण के बिना काम करता है. इससे यूजरों के पास अपने असेट और ट्रांजैक्शन का पूरा नियंत्रण रहता है.

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन को समझने के लिए आइए इसकी तुलना डेटाबेस से करके समझते हैं. डेटाबेस किसी भी सिस्टम के इन्फॉर्मेशन का कलेक्शन होता है. जैसे कि मान लीजिए, एक अस्पताल के डेटाबेस में मरीजों की जानकारी होगी, स्टाफ, दवा, मरीजों का आना-जाना वगैरह जैसी सब इस जानकारी डेटाबेस में रहेगी. ब्लॉकचेन भी डेटाबेस जैसा होता है. यह कई कैटेगरीज़ के तहत जानकारी इकट्ठा रखता है. इन ग्रुप्स को ब्लॉक कहते हैं और ये ब्लॉक कई दूसरे ब्लॉक से जुड़े होते हैं, जो एक तरीके का डेटा का चेन बनाते हैं. इसीलिए इस सिस्टम को ब्लॉकचेन कहते हैं.

हालांकि सामान्य डेटाबेस के उलट, ब्लॉकचेन को कोई एक अथॉरिटी कंट्रोल नहीं करती है. इसको डिजाइन ही इस लोकतांत्रिक सोच के तौर पर किया गया था कि इसे इसके यूजर ही चलाएंगे.

ब्लॉकचेन काम कैसे करता है?

सीधा-सीधा समझें तो ब्लॉकचेन डिजिटल बहीखाता है और जो भी ट्रांजैक्शन इसपर होता है, वो चेन में जुड़े हर कंप्यूटर पर दिखाई देता है. इसका मतलब है कि ब्लॉकचेन में कहीं भी कोई ट्रांजैक्शन होता है, तो उसका रिकॉर्ड पूरे नेटवर्क पर दर्ज हो जाएगा. इसे Distributed Ledger Technology (DLT) कहा जाता है.

इसे ट्रांजैक्शन के इस प्रोसेस से समझिए

1. मान लीजिए किसी क्रिप्टोकरेंसी यूजर ने एक ट्रांजैक्शन किया.

2. इस ट्रांजैक्शन का डेटा चेन पर एक दूसरे से जुड़े कंप्यूटर्स पर चला जाएगा, और इन्हें कहीं से भी एक्सेस किया जा सकेगा.

3. अगर ट्रांजैक्शन की वैलिडिटी यानी वैधता चेक करनी हो तो एल्गोरिदम से चेक कर लेते हैं.

4. इसकी वैलिडिटी कन्फर्म करने के बाद इस ट्रांजैक्शन के डेटा को पिछले सभी ट्रांजैक्शन के ब्लॉक में ऐड कर देते हैं.

5. यह ब्लॉक दूसरे ब्लॉक्स से जुड़ा होता है, जिससे कि लेज़र में इस ट्रांजैक्शन की जानकारी दर्ज हो जाती है.

इसके फ़ायदे क्या हैं?

सबसे पहले तो इस तकनीक से पारदर्शिता बनी रहती है क्योंकि नेटवर्क पर सबके पास हर रिकॉर्ड का एक्सेस रहता है. और ऊपर से यह एक डिसेंट्रलाइज्ड सिस्टम है यानी कि इसपर किसी एक संस्था या व्यक्ति का कंट्रोल नहीं होता है और कोई एक ही शख्स हर डेटा पर नियंत्रण नहीं रख सकता है.

एनॉनिमस होने के साथ-साथ यह यूजरों को सुरक्षा भी देता है. जैसेकि अगर किसी हैकर को कोई सिस्टम हैक करना है तो उसे पूरे नेटवर्क पर हर ब्लॉक को करप्ट करना होगा. अगर कोई हैकर किसी ब्लॉक को करप्ट करता भी है, तो क्रॉस चेकिंग करके ही उस ब्लॉक की पहचान की जा सकती है, ऐसे में यह चीजें ब्लॉकचेन को सुरक्षित बनाती हैं.

SWATI
Tuition Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tuition
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tuition Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

राहुल गांधी का ऐलान, चरणजीत सिंह चन्नी होंगे पंजाब में कांग्रेस का सीएम चेहरा

लुधियाना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को लुधियाना में एक रैली के दौरान पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा कर दी।राहुल गांधी ने कहा कि पंजाब में मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ही कांग्रेस का सीएम चेहरा होंगे। राहुल ने कहा कि %ये मेरा नहीं पंजाब के लोगों का फैसला है। राहुल गांधी ने कहा, 'चन्नी जी गरीब घर के बेटे हैं। गरीबी को समझते हैं। गरीबी से निकले हैं। और उनके दिल में, खून में पंजाब है। सिद्धू जी के दिल में, खून में पंजाब है। आप काट के देखें कभी। खून निकलेगा और उसमें पंजाब दिखेगा।'

इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को लुधियाना के हयात रीजेंसी में पंजाब के मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू, पीपीसीसी के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़ और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ बंद कमरे में बैठक की थी। बता दें कि पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

वहीं लुधियाना में वर्चुअल रैली के दौरान पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, 'मैंने राहुल गांधी के फैसले को स्वीकार कर लिया है..अगर मुझे निर्णय लेने की शक्ति दी गई, तो मैं माफिया को खत्म कर दूंगा, लोगों के जीवन में सुधार करूंगा। सत्ता नहीं मिली तो आप जिसे भी सीएम बनाएं, उसके साथ मुस्कुराकर चलूंगा।'

बहुप्रतीक्षित घोषणा से पहले, राहुल गांधी और दो मुख्य दावेदारों – पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू को एक ही कार में यात्रा करते भी देखा गया था। कांग्रेस नेता सुनील कुमार जाखड़ ने भी तीनों के साथ राइड शेयर की थी।

सिर्फ एक घंटे में तय होगा बीजिंग से न्यूयॉर्क का सफर! चीन बना रहा 'रॉकेट' जैसा हाइपरसोनिक प्लेन

पेइचिंग। चीन की एक कंपनी ने एक हाइपरसोनिक विमान (Hypersonic Plane) बनाने की घोषणा की है जो पेइचिंग से न्यूयॉर्क (Beijing To New York) तक सिर्फ एक घंटे में उड़ान भर सकेगा। कंपनी 'रॉकेट विद विंग्स' विमान को आश्चर्यजनक 7000 मील प्रति घंटे (11265 किमी प्रति घंटा) की रफ्तार से उड़ान भरने के लिए डिजाइन कर रही है। दावा किया जा रहा है कि इसका परीक्षण अगले साल शुरू होने वाला है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि यह 2024 तक हवा में उड़ने के लिए तैयार हो जाएगा।

द सन ने स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि इस फ्यूचरिस्टिक प्लेन को स्पेस ट्रांसपोर्टेशन फर्म विकसित कर रही है। माना जा रहा है कि यह दशक के अंत तक एक छोर से दूसरे छोर तक उड़ान भरना शुरू कर देगा। कंपनी ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें रॉकेट विंग्स से उड़ने वाले विमान के एनिमेशन को देखा जा सकता है। टेकऑफ के बाद विमान रॉकेट से संचालित विंग्स से अलग हो जाता है और अपने गंतव्य की ओर चला जाता है, जबकि विंग और बूस्टर फिर लॉन्च पैड पर वापस आ जाते हैं।

एक घंटे में बीजिंग से न्यूयॉर्क पहुंचने का दावा : अपने गंतव्य पर पहुंचने के बाद विमान सामने वाले तीन पैरों का इस्तेमाल करके लैंड करता है। कंपनी का दावा है कि यह सिर्फ एक घंटे में न्यूयॉर्क को चीन की राजधानी से जोड़ने में सक्षम होगा। फर्म ने चीनी मीडिया को बताया, हम हाई-स्पीड, पॉइंट-टू-पॉइंट ट्रांसपोर्टेशन के लिए एक पंखों वाला रॉकेट विकसित कर रहे हैं। यह सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट की तुलना में सस्ता होगा और पारंपरिक विमानों की तुलना में तेज होगा।

क्या फिर बजेगी स्कूलों की घंटी? दिल्ली के बंधन खोलने पर फैसला आज, जानें क्या चांस

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के लगातार कम होते मामलों के चलते लोग राहत की सांस ले रहे हैं। कई पाबंदियों पर छूट दी गई है तो जिंदगी सामान्य की ओर एक बार फिर चल निकली है। हालांकि अभी स्कूल को लेकर कोई फैसला दिल्ली सरकार (Delhi Government) ने नहीं लिया है। जहां एक ओर की राज्य 1 फरवरी से स्कूल खोलने पर फैसला ले चुके हैं वहीं राजधानी में अभी इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। शुक्रवार को डीडीएमए की मीटिंग (DDMA Meeting) है जिसमें ये माना जा रहा है कि स्कूल खोलने पर फैसला हो सकता है। इसके साथ नाइट कर्फ्यू संबंधी और भी कई पाबंदियां हैं जिसपर डीडीएमए को अंतिम निर्णय लेना है। इस तारीख से खुल सकते हैं दिल्ली के स्कूल : 04 फरवरी को होने वाली डीडीएम की बैठक में अगले सप्ताह यानी 07 फरवरी 2022 से स्कूलों फिर से खोलने का फैसला किया जा सकता है। हालांकि फिलहाल सीनियर स्टूडेंट्स यानी कक्षा 9 से 12वीं तक के स्टूडेंट्स को ऑफलाइन क्लासेस के लिए बुलाया जा सकता है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से जूनियर क्लासेस के स्टूडेंट्स को स्कूल बुलाया जा सकता है।

ओवैसी ने मुझे देखा और नीचे झुक गए इसलिए कार के निचले हिस्से पर चलाई गोली, हमलावर ने किए हैरान करने वाले खुलासे

लखनऊ। लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की कार पर फायरिंग करने वाले दोनों आरोपी ने उत्तरप्रदेश पुलिस को दिए गए बयान में बताया है कि उसने पहले भी तीन बार हमले की योजना बनाई थी लेकिन वह अपने इरादे में सफल नहीं हो सका। गुरुवार को मेरठ से दिल्ली लौटते समय असदुद्दीन ओवैसी की कार पर गोलीबारी की गई थी। जिसके बाद पुलिस ने सचिन शर्मा और शुभम नाम के दो आरोपी को गिरफ्तार किया था। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार दोनों आरोपी ने शुरू में पुलिस को संतोषजनक जवाब नहीं दिया। लेकिन जब पुलिस ने उन्हें बताया कि यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है तो आरोपी सचिन ने माफी मांगते हुए पूरी घटना बयां की और यह बताया कि उसने कैसे इसकी पूरी योजना बनाई। पुलिस के सामने दिए गए बयान में आरोपी सचिन ने बताया कि मैं एक बड़ा नेता बनना चाहता था और मैं खुद को एक सच्चा देशभक्त मानता हूं। मुझे ओवैसी के भाषण राष्ट्र विरोधी लगते थे। मेरे मन में उनके लिए नफरत भर गई थी। आगे उसने पुलिस को बताया कि वह ओवैसी की यात्राओं पर नज़र रखने के लिए एआईएमआईएम के डासना अध्यक्ष के संपर्क में था। जिसके बाद उसने फैसला किया कि वह किसी प्रचार अभियान के दौरान ही ओवैसी पर हमला करेगा। इसके बाद उसने सहारनपुर के रहने वाले शुभम से संपर्क किया। वह शुभम को कई सालों से जानता है।

एफआईआर में दर्ज बयान के अनुसार सचिन ने कहा कि ओवैसी पर हमले की योजना बनाने के बाद उसने शुभम को फोन किया। शुभम 28 जनवरी को गाजियाबाद आया और हम दोनों वेब सिटी के पास मिले। शुभम अपने दोस्त के साथ रह रहा था। हम दोनों ने मिलकर ओवैसी को मारने का फैसला किया और सही समय का इंतजार करने लगे।

इसके बाद दोनों 30 जनवरी को गाजियाबाद के शहीद नगर पहुंचे जहां ओवैसी की जनसभा हो रही थी। वे दोनों उसी दिन अपनी योजना को अंजाम देना चाहते थे लेकिन भीड़ के कारण दोनों ने अपनी योजना को टालने का फैसला किया। पुलिस के सामने दिए गए बयान में सचिन ने यह भी बताया कि पहला प्लान फेल होने के बाद दोनों बीते गुरुवार को मेरठ के गोला कुआं भी गए। वो दोनों वहां भी ओवैसी को मारने की ही नीयत से पहुंचे थे लेकिन भीड़ होने के कारण उन दोनों को फिर से अपनी योजना टालनी पड़ी। बाद में वो दोनों किठौर भी पहुंचे लेकिन वहां भी भीड़ होने की वजह से अपने इरादे को अंजाम नहीं दे पाए। इसके बाद दोनों को पता चला कि ओवैसी अपनी सफेद एसयूवी से दिल्ली जा रहे हैं। एफआईआर के अनुसार यह जानकारी पता लगते ही दोनों ने हमला करने का फैसला किया क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि उन्हें एक और मौका कब मिलेगा। सचिन ने पुलिस को यह भी बताया कि जैसे ही असदुद्दीन ओवैसी की गाड़ी छिजारसी टोल पर शाम के समय पर आई और टोल पर धीमी होकर गुजर रही थी। तभी मैंने और शुभम ने एक राय होकर ओवैसी को जान से मारने के लिए उनकी कार को टारगेट बनाकर गोलियां दागनी शुरू कर दी।

महज 25 रुपए थी स्वर कोकिला की पहली फीस, 370 करोड़ की सम्पत्ति की मालकिन बनीं लता मंगेशकर

इंदौर मध्यप्रदेश के मिडिल क्लास परिवार में जन्मीं लता मंगेशकर आज भारत की सबसे अमीर सिंगर्स में से एक हैं। कई लोग उनकी तुलना माता सरस्वती से भी करते हैं। लता ने पिता के गुजरने के बाद घर की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए सिंगिंग करियर शुरू किया था। पहली बार लता ने साल 1942 में मराठी फिल्म किती हसाल में गाना गाया था। इस गाने के लिए उस जमाने में 13 साल की लता को 25 रुपए फीस मिली थी। ये वहीं लता हैं जो आज 50 मिलियन यानी 370 करोड़ रुपए की संपत्ति की मालकिन हैं। आइए जानते हैं, क्या है लता दी की कमाई का जरिए– मुंबई में है लता का आलीशान घर : लता मंगेशकर साउथ मुंबई के पेडर रोड में स्थित प्रभु–कुंज भवन में रहती हैं। लता जी इस बिल्डिंग की पहली मंजिल में रहती हैं। उनके साथ बहन उषा मंगेशकर और भाई हृदयनाथ मंगेशकर का परिवार भी रहता है।

हर महीने करती हैं 40 लाख की कमाई : सीएनॉलेज नाम की वेब साइट के मुताबिक लता हर महीने 40 लाख और सालाना 6 करोड़ रुपए कमाई करती हैं। उनकी कमाई का मुख्य जरिए उनके गाने, इनसे मिलने वाली रॉयल्टी है। इसके अलावा उन्होंने म्यूजिक कॉन्सर्ट और म्यूजिक एलबम से भी कमाई की है।

प्रोडक्शन से भी कर चुकी हैं कमाई : लता मंगेशकर अपने करियर में लता वादल, झांझर, कंचन गंगा और लेकिन जैसी फिल्में प्रोड्यूस की हैं। इंडस्ट्री के ज्यादातर सेलेब्स एड से करोड़ों कमाई करते हैं, हालांकि लता मंगेशकर महज 1991 में ग्लाइकोडिन कफ सिरप के एड में दिखी हैं।

लग्जरी कारों का बड़ा कलेक्शन : लता मंगेशकर बचपन से ही सादा जीवन जीती आई हैं, हालांकि उन्हें कारों का हमेशा से शौक रहा है। लता ने करियर की शुरुआत में पहली कार 8 हजार रुपए में खरीदी थी। आगे लता ने शेवरले और ब्यूक खरीदी थी। कामयाबी मिलने के बाद सिंगर ने मर्सिडीज गाड़ी खरीदी जिसे उन्होंने आगे क्रिसलर से रिप्लेस किया था। वीर–जारा फिल्म की कामयाबी के बाद निर्माता यश चोपड़ा ने उन्हें मर्सडीज गाड़ी गिफ्ट की थी। पिता के नाम पर बनवाया अस्पताल : लता मंगेशकर ने 1989 में लता मंगेशकर फाउंडेशन की नीव रखी थी। इस फाउंडेशन के जरिए लता जी ने पुणे में अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर के नाम पर अस्पताल बनवाया था जो 6 एकड़ में फैला हुआ है। नागपुर में है लता मंगेशकर अस्पताल : दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के अलावा लता मंगेशकर के नाम पर भी नागपुर, महाराष्ट्र में एक अस्पताल है। इसकी स्थापना 1991 में की गई थी। दानवीर लता मंगेशकर : लता मंगेशकर हमेशा से ही डोनेशन में आगे रही हैं। उन्होंने कोरोना काल में सीएम रिलीफ फंड में 25 लाख रुपए दिए थे। इससे पहले सिंगर पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों को 1 करोड़ रुपए दान किए थे। महाराष्ट्र बाढ़ रिलीफ फंड में भी लता ने 11 लाख रुपए दान किए थे।

लता मंगेशकर अपनी पतली आवाज के कारण हो गई थीं रिजेक्ट, कभी रिलीज नहीं हो पाया उनका पहला सॉन्ग

मशहूर गायिका लता मंगेशकर का आज सुबह 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अपनी आखिरी सांस ली। लता मंगेशकर के निधन से पूरी इंडस्ट्री में मातम छा गया है। सेलेब्स से लेकर आम जनता तक सभी उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। लता जी ने अपने पूरे करियर में अलग–अलग भाषाओं में करीब 30 हजार से भी ज्यादा गानों को अपनी आवाज दी। उनकी आवाज सभी के दिलों में बसी हुई है। लेकिन क्या आपको पता है, उन्हें उनकी पतली आवाज की वजह से कभी रिजेक्ट कर दिया गया था। लता मंगेशकर ने फिल्म जगत में एक प्लेबैक सिंगर के तौर पर कदम रखा लेकिन वो रिजेक्ट हो गई थीं। वो इसलिए क्योंकि तब नूर जहां और शमशाद बेगम जैसे गायक छाए हुए थे। उन गायकों की आवाज के सामने लता मंगेशकर की आवाज बेहद पतली थी और वो उनके सामने टिक नहीं पाई। उस समय उनसे कहा गया था कि उनकी आवाज काफी पतली है और हिरोइन के ठीक नहीं बैठेगी।

लता मंगेशकर ने ईशा अंबानी की शादी में किया था गायत्री मंत्र और गणेश स्तुति का पाठ, ये है उनकी आखिरी रिकॉर्डिंग बता दें, लता मंगेशकर साल 1938 में मजह 9 साल की उम्र में शोलापुर के एक नूतन थिएटर में पहली बार लोगों के सामने गया था। वहीं साल 1942 में लता जी सिर्फ 13 साल की थी और तब उनके पिता का निधन हो गया था। जिससे वो काफी टूट गई थीं। इसके बाद उन्होंने खुद को संभाला और साल 1942–1948 तक करीब आठ से ज्यादा फिल्मों में अभिनय भी किया।

'लता, तुमने आज मुझे रुला दिया', जब लता मंगेशकर की आवाज सुनकर छलक पड़े थे जवाहरलाल नेहरू की आंखों से आंसू बता करें लता मंगेशकर के पहले गाने की तो उन्होंने अपना पहला गाना साल 1942 में आई मराठी फिल्म 'किटी हसाल' के लिए रिकॉर्ड किया था। लेकिन ये गाना कभी रिलीज नहीं हो पाया। इस गाने को फाइनल कट में हटा दिया गया था क्योंकि उनकी आवाज पतली थी। फिर उनके करियर ने एक नया मोड़ लिया। साल 1949 में उन्होंने फिल्म 'महल' के लिए 'आनेवाला आएगा' गाना गाया, इस गाने से उन्होंने खूब लोकप्रियता हासिल की और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

लता मंगेशकर के निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर, अमिताभ बच्चन, ए आर रहमान, अक्षय, अनिल, अजय समेत इन सेलेब्स ने दी श्रद्धांजलि : स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर का आज 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। लता मंगेशकर को कोरोना और निमोनिया की शिकायत थी। जिसके बाद उन्हें 8 जनवरी की देर रात मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांसें लीं। %भारत रत्न% लता जी के निधन पर पूरा देश दुखी है। अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, अनिल कपूर, अजय देवगन मधुर भंडारकर, ए आर रहमान, तरण आदर्श, स्वानंद किरकिरे समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया है और श्रद्धांजलि दी है।

उनकी आवाज अब जन्नत में गूंजेगी- अमिताभ : अमिताभ बच्चन ने पोस्ट शेयर कर लिखा, 'वो हमें छोड़कर चली गईं...दशकों की वो आवाज हमें छोड़ गईं...उनकी आवाज अब जन्नत में गूंजेगी...शांति? और सुकून की प्रार्थना।' दोनों हाथ जोड़े अमिताभ की इस एक लाइन में लता जी के जाने का दुख साफ दिख रहा है।

अक्षय कुमार ने लिखा, 'मेरी आवाज ही पहचान है, गर याद रहे... और ऐसी आवाज को कोई कैसे भूल सकता है। लता मंगेशकर जी के निधन से गहरा दुख हुआ, मेरी संवेदना और प्रार्थना। ओम शांति।

अनिल कपूर ने लिखा, 'मेरा दिल टूट गया है। लेकिन इस अविश्वसनीय आत्मा को जानने और उनके प्यार के लिए धन्य हूं... लताजी हमारे दिलों में एक ऐसी जगह रखती हैं, जो कभी किसी और के द्वारा नहीं ली जाएगी। इस तरह उन्होंने अपने संगीत से हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। वह शांति से आराम करें और अपनी चमक से आकाश को रोशन करें।'

अजय देवगन ने लिखा, 'हमेशा के लिए एक आइकन। मैं हमेशा उनके गीतों की विरासत को याद रखूंगा। हम कितने भाग्यशाली थे कि लताजी के गीत सुनकर बड़े हुए। ओम शांति। मंगेशकर परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना।' मधुर भंडारकर ने लता मंगेशकर के साथ की फोटो शेयर कर लिखा, 'दीदी के निधन से गहरा दुख हुआ। वह सालों से मेरे लिए एक मां की तरह रही हैं। हर दूसरे हफ्ते में उन्हें फोन करता था और बातचीत करता था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। उनकी उपस्थिति मेरे जीवन में बहुत याद आएगी। लव यू दीदी। ओम शांति। %वॉयस ऑफ इंडिया।'

अनुराधा पौडवाल ने कहा– न भूतो, न भविष्यति पार्श्व : गायिका अनुराधा पौडवाल ने लता जी के निधन पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'बहुत दुखी हूं। लताजी को विनम्र श्रद्धांजलि। उनके बारे में सिर्फ इतना ही कहा जा सकता है– न भूतो न भविष्यति। मैं बचपन में उनकी रिकॉर्डिंग देखने गई थी, वहीं उनसे पहली मुलाकात हुई थी। वे बहुत महान और संयमित थीं। परिवार पर जिस तरह उनका वर्चस्व था, वैसा ही फिल्म इंडस्ट्री पर रहा।'

भोजपुरी सुपर स्टार खेसारीलाल ने दी श्रद्धांजलि : लता मंगेशकर के निधन पर भोजपुरी सुपर स्टार खेसारीलाल यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया और दिल्ली में फिल्म %सन ऑफ बिहार% के सेट पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। साथ ही सेट पर मौजूद लोगों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए मौन भी रखा। इस दौरान खेसारीलाल यादव ने उन्हें याद करते हुए कहा, 'भारत ने अपना सबसे अमूल्य रत्न खो दिया। आप के गाने हमारे लिए प्रेरणा थीं और हमेशा रहेगी। आपके हर एक गाने को सुनकर बड़ा हुआ और आज आप चली गईं, लेकिन आप हमेशा हमारे दिलों में और संगीत की दुनिया मे अमर रहेंगी।'

खेसारीलाल यादव ने आगे कहा, 'ताई आप जैसा कोई नहीं और न कोई होगा। उन्होंने कहा कि लता जी का जीवन सम्पूर्ण इतिहास है। हम धन्य हैं कि हम उस देश मे पैदा हुए, जहां कण–कण में लता जी की आवाज गूंजती है। उन्होंने कहा कि सैंकड़ों कालजयी गानों को अपनी आवाज देकर लता जी आज मां सरस्वती के साथ अनंत यात्रा पर चली गईं। आज का दिन मेरे लिए बेहद दुखद है। मैं उन्हें दिल से नमन करता हूं।'

लता मंगेशकर को अंतिम विदाई देने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचे सचिन तेंदुलकर

प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर का 6 फरवरी को निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। उनके निधन की खबर से पूरा देश शोक में है। लता मंगेशकर को क्रिकेट देखना काफी पसंद था और विशेष रूप से सचिन तेंदुलकर की वह बहुत शौकीन थीं। सचिन तेंदुलकर भी लता मंगेशकर को काफी मानते थे और वह उन्हें 'आइ' कहकर बुलाते थे। रविवार को महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर खेल जगत ने शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगी। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी देश के महान संगीत सितारों में शामिल लता (92) की बहन ऊषा मंगेशकर और उनका उपचार कर रहे डॉक्टरों के अनुसार रविवार को शहर के एक अस्पताल में कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण उनका निधन हो गया। राजनीतिक दलों से लेकर बॉलीवुड और क्रिकेट से जुड़े दिग्गजों ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है। लता के निधन पर केंद्र सरकार ने दो दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। टीम इंडिया के बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली से लेकर गौतम गंभीर, मिताली राज, वीवीएस लक्ष्मण, वेंकटेश्वर प्रसाद और आकाश चोपड़ा सहित कई दिग्गजों ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है। बीते दिन 'लता दीदी' का स्वास्थ्य बिगड़ गया था, जिसके बाद उन्हें आईसीयू से वेंटिलेटर में रखा गया था। देश के महान संगीत सितारों में शामिल लता (92) की बहन ऊषा मंगेशकर और उनका उपचार कर रहे डॉक्टरों के अनुसार रविवार को शहर के एक अस्पताल में कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण उनका निधन हो गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23–24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन–1, भोपाल – म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. –12, सेक्टर–ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)